☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

शिविर में 150 लोगों की जांच की गई

अवध विश्वविद्यालय

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग एवं विवि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से ग्रामसभा डाभासेमर में प्राथमिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उदघाटन विवि के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने किया। इसमें महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया और 150 लोगों के ब्लड प्रेशर, पल्स, शुगर, एनीमिया सहित अन्य स्वास्थ्य की जांच की गई तथा मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई।

शिविर को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी गांव में निवास करती है, लेकिन ग्रामीण अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नहीं है। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारी से ग्रसित होने पर ही वे अपना उपचार करवाते है। अब इन शिविरों के माध्यम से ग्रामवासियों की प्राथमिक स्तर पर जांच की जाएगी और उनका इलाज संभव हो सकेगा। मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति हमेशा जागरूक रहना चाहिए। समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधित जांच कराते रहना चाहिए।

अवध विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित शिविर में कुलपति को किया सम्मानित

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपशिखा चौधरी ने कुलपति प्रो. सिंह को बुके भेंटकर स्वागत किया। समाजकार्य विभाग के समन्वयक डॉ. विनय मिश्र एवं डॉ. दिनेश सिंह ने कुलपति को स्वामी विवेकानंद का चित्र भेंट किया। शिविर में डा. दीपशा मिश्रा, डा. अरुण पटेल, डा. गरिमा गौतम, डा. विवेक वर्मा , भरत पाण्डेय व रिचा तिवारी मौजूद रहीं।

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 06

जगह-जगह मनाई गई स्वामी विवेकानंद की जयंती

अविवि में विवेकानंद जयंती पर स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण करते कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह और गुरू वशिष्ठ गुरुकुल में पूर्व कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित मध्य में ●जागरण

संसू, अयोध्याः विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। अवध विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने स्वामी जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। कहा, स्वामी जी ने विश्वफलक पर देश का गौरव बढ़ाया है। इससे पहले मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव उमानाथ, प्रो.नीलम पाठक, प्रो.आरके तिवारी, डॉ. महेंद्र पाल सिंह सहित अन्य शिक्षकों व कर्मियों ने विवेकानंद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। विवि के ही गणित एवं सांख्यिकी विभाग एवं विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के संयुक्त संयोजन में जयंती मनाई गई।

अध्यक्षता प्रो. संतशरण मिश्र ने की। उन्होंने कहा कि विवेकानंद के विचारों का पूरी दुनिया पर प्रभाव है। लोग स्वामी जी के रूप में भारत को जानने व पहचानने लगे हैं। मुख्य वक्ता विवेक सृष्टि योग केंद्र के निदेशक डॉ.चैतन्य ने कहा कि आज के युवाओं की सबसे बड़ी समस्या उनका बिगड़ा हुआ शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य है। कहा कि इस समस्या का समाधान कोई चिकित्सक नहीं कर सकता बल्कि संकल्पबद्ध युवा स्वयं कर सकता है। इसके लिए उन्होंने युवाओं को स्वामी जी का साहित्य व भगवद्गगीता का पारायण करने को कहा। बोले, इससे स्वस्थ व सफल जीवन का रास्ता निकल सकेगा। प्रो.एसके रायजादा ने भी समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर आयोजित प्रतियोगिता में हर्षित को पहला, विनोद शर्मा को दूसरा तथा शुभम शुक्ला को तीसरा स्थान मिला। सांत्वना पुरस्कार प्रदीप राजभर को मिला। इन सभी को पुरस्कृत किया गया। संचालन राम पांडेय व अवंतिका मिश्रा ने किया। हनुमानगढ़ी में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में स्वामीजी को नमन किया गया। राजूदास, महेश योगी, दीपकदास, अंकुर सिंह, युगल तिवारी ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित किये।

साकेत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अभय सिंह कहा कि आज विश्व का प्रतिनिधित्व करने को भारत तैयार है। इसका श्रेय स्वामी विवेकानंद जी की सोच व विचार को जाता है। मुख्य नियंता डॉ. एसपी सिंह ने कहाकि युवाओं को विवेकानंद के बारे में जानना व पढ़ना चाहिए। इससे सीखने को मिलेगा। प्रो. मनोज छापड़िया ने कहा कि स्वामी जी से प्रेरित होकर युवा वर्ग देश की तस्वीर बदल रहा है। इस अवसर पर प्रो. विनय सिंह, पूर्व जिला संयोजक अंकुर सिंह ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अजय मिश्रा, संतोष वर्मा, अजय वर्मा, सात्विक पांडेय, मीनाक्षी उपाध्याय रहे। महिला महाविद्यालय गद्योपुर गोशाईगंज में स्वामी विवेकानंद को पुष्प अर्पित किये गये। शुरुआत मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. अंजू पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं। अध्यक्षता डॉ. अलका शुक्ला व संचालन शालिनी व अंतिमा पांडे ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुभाष वर्मा, डॉ. संगीता पटेल मौजूद रहीं। सोहावल के मां ज्वाला देवी खिरौनी में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के डॉ. विकास पांडेय, वशिष्ठ पीठाधीश्वर महंत गिरीशपति त्रिपाठी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विश्व में वेदांत दर्शन के नए आयाम को स्थापित किया। डॉ. विकास ने कहा कि आज की आपाधापी भरी जिंदगी का आकलन स्वामी जी ने 150 वर्ष पूर्व किया था। संस्कार भारती के विभाग संयोजक हरीश श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम संयोजक प्रवीण सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा के उपाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने किया। इस अवसर पर पुष्कर तिवारी, सत्यनाम सिंह, सुशील मिश्रा, विश्वेश्वर मिश्रा, चंद्रप्रकाश पांडेय रहे। हिंदू महासभा तथा भाजपा के संयुक्त संयोजन में डॉ. राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय स्थित स्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि स्वामी जी ने भारत के ज्ञान संस्कृति और सभ्यता तथा हिंदू सनातन धर्म की धर्म ध्वजा को विश्व में प्रचारित किया। भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश जायसवाल व भाजपा के पूर्व नगर उपाध्यक्ष अधिवक्ता राजीव कुमार शुक्ला ने कहा कि धर्म ध्वजा के प्रहरी स्वामी विवेकानंद ने हिंदुओं को एक माला में पिरोने का कार्य किया। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अजय ओझा ने विचार व्यक्त किए। उम्मीद संस्था एवं सनातन सेवा ट्रस्ट के संयुक्त संयोजन में विचार गोष्ठी का आयोजन किया। अध्यक्षता सनातन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष स्मृति शरण एवं संरक्षक डॉ. अखिलेश्वर चौबे ने किया । जिला प्रभारी सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश श्रीवास्तव,अध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव , आशीष श्रीवास्तव, अर्पित श्रीवास्तव, चंद्रमणि पांडेय, आचार्य बलराम दास, संत राजेश मौजूद रहे। संचालन सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने किया। शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तुलसीनगर में विवेकानंद जयंती मनायी गयी। इसकी शुरुआत प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने की। इस मौके पर सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ आचार्य डॉ. घनश्याम सिंह, आचार्य लल्ला सिंह सहित अन्य रहे।

स्वस्थ जीवन का सूत्र है सूर्य नमस्कार का अभ्यास

अयोध्या : योग केंद्र कौशलपुरी में सामूहिक रूप से सौ बार सूर्य नमस्कार किया गया। इस कार्यक्रम से लोगों को स्वस्थ्य रहने का सूत्र व संदेश दिया गया। सूर्य नमस्कार डॉ.चैतन्य ने कराया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने से मोटापा, डायबिटीज जैसी भयंकर बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है। उन्होंने लोगों से स्वामी विवेकानंद की जयंती पर नित्य योग ध्यान के साथ सूर्य नमस्कार कराने का संकल्प दिलाया। इस कार्यक्रम में अरविंद श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

कड़ी मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र

'वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता की चुनौतियां' विषय पर हुआ व्याख्यान

अयोध्या। पत्रकारिता एक सृजन की विधा है। इसके लिए छात्रों को निरंतर अध्ययन कर सामयिक विषयों से अपडेट रहना होगा। कार्य के प्रति सचेत रहकर मूल्यों का संरक्षण आवश्यक है। पत्रकारिता अन्य कार्य क्षेत्र से बिल्कुल अलग विधा है। इसके लिए विद्यार्थियों को सकारात्मक रहकर अनुभवी लेखकों, साहित्यकारों, पत्रकारों का अनुसरण करना आवश्यक है, तभी परिपक्वता की तरफ बढ़ पाएंगे। स्वयं को ज्ञानवान समझना बड़ी भूल हो सकती है। पत्रकारिता में कड़ी मेहनत ही सफलता कामूल मंत्र है।

यह बातें डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता की चुनौतियां विषय पर बुधवार को आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए जौनपुर विवि के पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभाग के समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि पत्रकारिता में निरंतर परिश्रम एवं संकल्प से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इसमें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में हो रहे बदलाव ने अवसरों को जन्म दे रहे हैं। स्वागत उद्बोधन में डॉ. राजेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज की पत्रकारिता में कंप्यूटर ज्ञान एक आवश्यक योग्यता है। भाषा विज्ञान पर छात्रों को कठिन परिश्रम कर शाब्दिक त्रुटियों से बचना चाहिए।

कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत विभाग के शिक्षक डॉ. राज नारायण पांडे एवं डॉ. अनिल कुमार विश्वा ने स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान कर किया। इस अवसर पर अंकिता, आशुतोष, शशांक, अंशुमान, सचिन, गीतांजलि, प्रतिष्ठा सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में अतिथि को स्मृति चिह्न देते शिक्षकगण।

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 14 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

पत्रकारिता में परिश्रम एवं संकल्प से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता हैः डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी

अश्वनी पांडेय

जनाभास, अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता की चुनौतियां विषय पर आज 13 जनवरी, 2021 को व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ0 दिग्विजय सिंह राठौर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर रहे। व्याख्यान को संबोधित करते हुए डॉ0 दिग्विजय सिंह राठौर ने बताया कि पत्रकारिता एक सृजन की विधा है। इसके लिए छात्रों को निरंतर अध्ययन कर सामयिक विषयों से अपडेट रहना होगा। कार्य के प्रति सचेत रहकर मूल्यों का संरक्षण आवश्यक है। पत्रकारिता अन्य कार्य क्षेत्र से बिल्कुल अलग विधा है। इसके लिए विद्यार्थियों को सकारात्मक रहकर अनुभवी लेखकों, साहित्यकारों, पत्रकारों का अनुसरण करना आवश्यक है तभी परिपक्वता की तरफ बढ़ पाएंगे। स्वयं को ज्ञानवान समझना बड़ी भूल हो सकती है। पत्रकारिता में कड़ी मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र है। डॉ0 राठौर ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में अवसर के नए परिवेश का नियम का निर्माण हो रहा है। इसके लिए तकनीकी ज्ञान होना आवश्यक है। वर्तमान परिवेश के पत्रकारिता दिनों दिन तकनीक आधारित हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभाग के समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि पत्रकारिता में निरंतर परिश्रम एवं संकल्प से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इसमें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में हो रहे बदलाव ने अवसरों को जन्म दे रहे हैं। स्वागत उद्बोधन में डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज की पत्रकारिता में कंप्यूटर ज्ञान एक आवश्यक योग्यता है। भाषा विज्ञान पर छात्रों को कठिन परिश्रम कर शाब्दिक त्रुटियों से बचना चाहिए। कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत विभाग के शिक्षक डॉ0 राज नारायण पांडे एवं डॉ0 अनिल कुमार विश्वा ने स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान कर किया। इस अवसर पर अंकिता, आशुतोष, शशांक, अंशुमान, सचिन, गीतांजलि, प्रतिष्ठा, यशू शुक्ला शिवम पांडे, हर्षित मौर्य, चंद्रभूषण, ज्योति, अपराजिता, अभिषेक मिश्र, हिमांशी सिंह, रोशनी सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

विवेकानंद जयंती पर महिलाओं ने किये सूर्य नमस्कार

अश्वनी पांडेय

जनाभास, अयोध्या। स्वामी विवेकानंद जी जयंती के उपलक्ष्य में नारी सशक्तिकरण योग